वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 126 | शुक्रवार 30 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रत्येक पात्र को मिले केन्द्र व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

राज्यपाल बागडे ने जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। राज्यपाल ने कहा, पीएम आवास योजना से कोई पात्र ना रहे वंचित। घुमंतू परिवार के बच्चों की शिक्षा की भी हो समुचित व्यवस्था...

टीबी मुक्त अभियान चलाया जाए, बॉर्डर क्षेत्र का हो प्रभावी विकास

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरीभाऊ बागडे ने केन्द्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने, बॉर्डर एरिया में विकास कार्यों की प्रभावी योजना बनाकर कार्य करने और श्रीगंगानगर जिले को टीबी मुक्त करने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने का आह्वान किया हैं। उन्होंने घुमंतू परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए भी कार्य करने, पिछड़े क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उत्कृष्ट विद्यालय की व्यवथा के लिए भी गंभीर होकर प्रयास किए जाने पर जोर दिया है। राज्यपाल बागडे गुरुवार को श्रीगंगानगर कलेक्ट्रेट सभा हॉल में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ निचले स्तर तक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्र के गांवों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। सीमांत क्षेत्र के गांवों में चिकित्सा, शिक्षा, सड़क सहित अन्य प्रकार की व्यवस्थाएं व सुविधाएं मिलनी चाहिएं। बागड़े ने कहा कि हर घर नल योजना का लाभ सभी परिवारों को मिलना चाहिए। उन्होंने वर्षा जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक मदद देने के साथ-साथ उन्हें मार्केटिंग की सुविधा प्रदान की जाए ताकि वे बाजार में अपने उत्पादों का विक्रय कर सकें। बागडे ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि कोई भी गांव या ढाणी सड़क सुविधा से वंचित न रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि कोयले की मात्रा सीमित है। ऐसे में सूर्य घर योजना बहुत ही कारगर योजना है, जिसका लाभ प्रत्येक नागरिक को लेना चाहिए तथा विभाग इस योजना की व्यापक जानकारी आमजन तक पहुंचाए। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों को मिलने वाले उपचार तथा चिकित्सा सुविधा पर चर्चा करते हुए योजना की समीक्षा की। बागडे ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि

कोई भी ऐसा गरीब पात्र परिवार बिना आवास के न रहे, इस पर ध्यान दिया जाए। बैठक में उन्होंनेगरीब परिवारों के घरों में शौचालय निर्माण की जानकारी ली । उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा विद्यालय जाने से वंचित न रहे, इसके लिए शिक्षकगणों को ध्यान देना होगा। जो बच्चा किसी कक्षा में फेल हो जाता है, तो उसे पुनः परीक्षा दिलाने के लिए अध्यापकगण ध्यान दें। घुमंतू परिवार के बच्चों को भी शिक्षा से जोड़ने पर जोर दिया गया। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा की। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि जिले के किसान इस योजना से जुड़े हुए हैं तथा माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 2000 रूपए प्रति किसान को देने की घोषणा के अनुरूप किसानों को राशि का भुगतान किया गया है। किसान की फसल अच्छी हो, इसके लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ की गई मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की समीक्षा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में गत वर्ष 155 करोड रुपए की राशि के क्लेम पारित किए गए। शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ-साथ उन्हें संस्कारमय बनाने पर ध्यान दिया जाए। बैठक में प्रधानमंत्री खनन क्षेत्र कल्याण योजना और हिंदू विस्थापित नागरिकों के बारे में भी जानकारी लेकर बागडे ने निर्देश दिए कि ऐसे परिवारों को नियमानुसार सुविधा दी जाए।

'राष्ट्रीय खेल दिवस' पर मेजर ध्यानचंद को किया याद

जयपुर. शाबाश इंडिया। 29 अगस्त गुरुवार को ''राष्ट्रीय खेल दिवस'' के उपलक्ष्य पर सी-स्कीम स्थित महावीर पब्लिक स्कूल में विशेष प्रार्थना-सभा का आयोजन किया गया, जिसमें खेलों के महत्व के तथा खेलों से होने वाले स्वास्थ्य लाभ के विषय में विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। महावीर पब्लिक स्कूल के कक्षा 12 के छात्रों तथा महावीर कॉलेज के छात्रों के बीच बास्केटबॉल और वॉलीबॉल के ''फ्रेंडली मैचों'' का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने जमकर एंजॉय किया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर ''हॉकी का जादूगर'' कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के अद्वितीय हॉकी कौशल और उनके द्वारा ओलंपिक में जीते स्वर्ण पदकों की चर्चा की गई। बच्चों को यह भी जानकारी दी गई कि खेल दिवस के दिन विशिष्ट प्रतिभावान खिलाड़ियों को अर्जुन, द्रोणाचार्य आदि पुरस्कार दिए जाते हैं।

आरयू के कॉमर्स कॉलेज में मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस, एंटी रैगिंग का दिया संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में कॉमर्स कॉलेज में दो दिवसीय खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें वॉलीबाल, क्रिकेट, शतरंग, केरम, टेबल टेनिस व 100 मीटर,800 मीटर दौड़, भाला फेक,गोला फेक स्पधार्ए हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ विधायक राम सहाय वर्मा निवाई, विशिष्ट अतिथि प्रो. आरएन शर्मा सिंडिकेट सदस्य व चीफ प्रॉक्टर राजस्थान विश्वविद्यालय थे. कॉलेज प्रिंसिपल प्रो भवानीशंकर शर्मा ने सभी अतिथियो का स्वागत किया साथ ही कहा खेलो को बढ़ावा देकर विद्याथियो को आगे बढ़ाया जायेगा। विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहना कर प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर उप प्राचार्य डॉ पूनम, डॉ पीसी सैनी, संचालन आयोजन सचिव व महाविद्यालय के फिजिकल एजुकेशन डायरेक्टर डॉ शैलेश मौर्य व शैक्षणिक, अशैक्षणिक कर्मचारी मौजूद रहे।

अंकित का हर-हर शिव शंकरा गाना रिलीज

जयपुर. शाबाश इंडिया

युवा संगीतकार और सिंगर अंकित भट्ट का एक भजन हर हर शिव शंकरा सोशल मीडिया पर रिलीज हुआ। गायक अंकित भट्ट का यह भजन कल्पना संगीत विद्यालय के राजन सभागार में संगीतकार, साहित्यकारों एवं संगीतप्रेमियों के बीच रिलीज किया गया। भजन हर हर शिव शंकरा का गायन और संगीत स्वयं अंकित भट्ट का है और कल्पना ऑडियो एंड फि ल्म्स के लिए यह भजन प्रसिद्ध संगीतकार पं. आलोक भट्ट ने लिखा है और इसका तकनीकी पक्ष माधव सक्सेना सरस ने संवारा है।

पार्श्वनाथ कथा: इंसान में जीव के मोह जागृत रहेंगे, उन्हे सत्य-असत्य नजर आता रहेगा : मुनि प्रणम्य सागर

जिन धर्म सेविका श्रीमती सुशीला पाटनी (आरके मार्बल) का व्रत गुण शीला उपाधि से हुआ सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी में पहली बार चातुर्मास कर रहे आचार्य विद्या सागर महाराज के शिष्य अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज महाराज ससंघ के सानिध्य में मानसरोवर के मीरा मार्ग स्थित आदिनाथ भवन में चल रही 'पार्श्वनाथ कथा' के दौरान गुरुवार को मुनि श्री ने अपने आशीर्वचन देते हुए कहा की व्रत और शील से जो युक्त होता है वो ही सम्मान पाने के लायक होते है। बारह भावनाओं के मर्म को समझाते हुए मुनि श्री ने कहा कि इंसान में जब तक जीव के मोह जागृत रहेंगे, उन्हे सत्य-असत्य नजर आता रहेगा, दुख देने वाले सुख देने वाले लगते है, अहितकारी-हितकारी नजर आने लगते है। सिर्फ निर्गंथ गुरु और जिनवाणी सत्य सुना सकती है। बारह भावनाओं में आज छः भावनाएं अनित्य-अशरण, संसार, एकत्व, अन्यत्व एवं अशुचि भावनाओं पर आशीर्वचन दिए। मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी ने जानकारी देते हुए बताया की गुरुवार को पार्श्वनाथ कथा का शुभारभ जिन धर्म सेविका और व्रत श्रेष्ठी सुशीला पाटनी (आर के मार्बल) द्वारा चित्र अनावरण, दीप प्रवज्जलन, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट कर किया गया। इस दौरान महिला जागृति परिषद की अध्यक्षा सुशीला रावंका और मंत्री रश्मि सांगानेरिया सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा जिन धर्म सेविका सुशीला पाटनी का दुप्पटा पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। इस मौके पर संरक्षक निशा पहाड़िया द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया और पंडित शीतल प्रसाद, समाजश्रेष्ठी नन्द किशोर प्रमोद पहाड़िया द्वारा ''व्रत गुण शीला की उपाधि'' का प्रशस्ति चिन्ह भेंट किया गया।

दशलक्षण पर्व 8 से होगा दस दिवसीय विधान पूजन, दो हजार श्रद्धालु लेंगे भाग

कोषाध्यक्ष लोकेंद्र जैन राजभवन वाले ने बताया कि जैन धर्म में दशलक्षण पर्व अति महत्वपूर्ण स्थान रखता है, यह दशलक्षण पर्व 8 सितंबर से प्रारंभ होकर 17 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर संपन्न होगे, चौदस और पूर्णिमा एक तिथि होने पर दोनो पर्व 17 को ही संपन्न होगे, इसके पश्चात जैन धर्म के प्रमुख सिद्धांत ''जिओ और जीने दो'' चरितार्थ करने वाला सबसे महत्वपूर्ण पर्व 'क्षमावाणी' 18 सितंबर को अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज ससंघ सानिध्य में मनाया जायेगा। दस दिवसीय दशलक्षण पर्व के दौरान प्रतिदिन प्रातः 5 बजे योग साधना, 6 बजे से 7 बजे तक मुनि प्रणम्य सागर महाराज के प्रवचन, 7 बजे से श्रीजी का कलशाभिषेक, शांतिधारा एवं दशलक्षण पर्व दस धर्मों पर आधारित विधान पूजन, दोपहर 1.30 बजे स्वाध्याय, 4 बजे प्रतिक्रमण, शाम 6 बजे श्रीजी की महामंगल आरती, 7 बजे से 8 बजे तक विद्वानों द्वारा स्वाध्याय और रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन प्रतिदिन दस दिनों तक आयोजित होगे।

जयपुर मंदिर दर्शन यात्रा 22 सितंबर से, मुनि श्री के सानिध्य में श्रद्धालुगण करेंगे सभी जैन मंदिरों के दर्शन

आयोजन से जुड़े हुए विनोद जैन कोटखावदा एवं अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि दशलक्षण पर्व के समापन के पश्चात मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ सानिध्य में रविवार 22 सितंबर से जयपुर के समस्त दिगम्बर जैन मंदिरों की दर्शन यात्रा प्रारंभ होगी, इस यात्रा में समाज के श्रद्धालुगण भी सम्मिलित होगे और मंदिरों के दर्शन करेगे। यह यात्रा 10 नवंबर तक आयोजित होगी।

एक दिवसीय अर्हं ध्यान योग शिविर 2 अक्टूबर को, देशभर से जुटेंगे 15 हजार श्रद्धालु

अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने जानकारी देते हुए बताया कि राजधानी जयपुर में अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ सानिध्य में पहली बार ''एक दिवसीय अर्हं ध्यान योग शिविर'' का भव्य आयोजन 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) को एसएमएस स्टेडियम पर आयोजित होगा, यह पहला अवसर है जब किसी दिगंबर जैन संत के सानिध्य में एसएमएस स्टेडियम पर इस तरह का आयोजन किया जायेगा। 2 अक्टूबर को शिविर का शुभारंभ प्रातः 5.30 बजे से आयोजित होगा जो 7.30 बजे संपन्न होगा। इस दौरान केवल जयपुर से ही नही बल्कि संपूर्ण राजस्थान के अतिरिक्त दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक, महाराष्ट्र इत्यादि स्थानों से जैन समुदाय से नही बल्कि संपूर्ण समुदाय के 15 हजार से अधिक श्रद्धालुगण ''अर्हं ध्यान योग'' में भाग लेंगे। पत्रकार वार्ता में मंत्री राजेन्द्र सेठी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, विनोद जैन कोटखावदा, राकेश गोदिका, राजा बाबू गोधा, अभिषेक जैन बिट्टू, अमन जैन, एडवोकेट राजेश काला, अशोक छाबड़ा, विजय झांझरी, जिनेन्द्र काला सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

मानवता में वृद्धि करने वाला हो विकास

विकास आज सबसे अधिक चर्चित शब्द है। प्रायः सभी लोगों को इसके बा आकर्षण के प्रति आंदोलित हुए देखा जा सकता है। बड़ा व सुविधायुक्त घर, गाड़ी, आभूषण व विलासिता की अन्य वस्तुओं का संग्रह विकास के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। जबकि विकास का व्यावहारिक पक्ष अत्यन्त सादगीपरक व जीवन की मूलभूल आवश्यकताओं के उपभोग तक सीमित होना चाहिए। विकास की सत्यता को सद्गुणों, सद्विचारों पर चलने वाला ही समझ पाता है। प्रतिदिन मानवीय जीवन में एक नवीन व कल्याणकारी विचार को स्थान दिया जाए तो विकास है। शिक्षा के गुणसूत्र विद्यार्थी जीवन में भलीभांति प्रतिष्ठित होते हैं तो समाज को श्रेष्ठ विचारक मिलेंगे। विचारकों का दृष्टिकोण विकास के प्रति सदैव संतुलित रहता है। वे विकास को बढ़ाने वाले ज्ञान-विज्ञान के पक्षधर होते हैं। जहां ज्ञान-विज्ञान का विस्तार अभिशापित होना प्रारंभ हुआ, वहां विकास के वास्तविक विचारकों का अभाव होता है। विकास किसका होना चाहिए? वस्तुओं या उनका उपभोग करने की व्यवस्थाओं का या फिर वस्तु निर्माताओं, प्रयोक्ताओं के व्यक्तित्व का? अपने अस्तित्व के प्रादुभाव से ही मनुष्य अपनी विकास आकांक्षा के प्रति अतिजिज्ञासु रहा है। समझना यही है कि सबसे उपयुक्त व्यक्ति विकास को किस रूप में स्वीकार करता है? क्या वह अपने चारों ओर स्थूल सामग्रियों का अंबार लगाना चाहता है? या युगचक्र की गति के साथ-साथ अपने विचारों को भी बढ़ाना चाहता है? वास्तव में सामग्रियों की अधिकांश उपलब्धता और उनके अनुचित प्रयोग की मानवीय प्रवृत्ति को विकास धारणा के अंतर्गत शुमार नहीं किया जा सकता। सच तो यह है कि विकास व्यक्ति के विचारों का विस्तार है। व्यक्ति अपने जीवन में इतनी विचारशक्ति अर्जित करे कि वह जीवन की सहजता को आत्मसात करने योग्य हो सके। वह छोटे बच्चों को जीवन की इस विद्या का अनुकरण करने की शिक्षा दे। विकास की आध्यात्मिक व्यवस्था मनुष्य को जीवन के सर्वोच्च लक्ष्य तक पहुंचने में सबसे बड़ा कारक हो सकती है।

संपादकीय

शांत नहीं हो पा रहा चिकित्सकों का गुस्सा

लगा था कि सर्वोच्च न्यायालय की दखल के बाद कोलकाता चिकित्सक बलात्कार और हत्या मामले को लेकर उभरा लोगों का रोष कुछ कम हो जाएगा, मगर वह और बढ़ता जा रहा है। अदालत ने घटना के विरोध में आंदोलन कर रहे चिकित्सकों से काम पर लौटने की अपील की थी। मामले पर कार्रवाई में बरती गई शिथिलता और लापरवाहियों को लेकर पुलिस और चिकित्सालय प्रशासन को फटकार लगाई थी। मगर उससे लोगों

का गुस्सा शांत नहीं हो पा रहा। मंगलवार को पश्चिम बंग छात्र समाज ने ''नवान्न'' अभियान शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि यह छात्रों का गैरराजनीतिक मंच है और इसकी तीन प्रमुख मांगें हैं- पीड़िता को न्याय मिले, मुख्यमंत्री अपने पद से इस्तीफा दें और अपराधी को मृत्युदंड मिले। अब छात्रों के विरोध में कुछ सरकारी कर्मचारी संगठनों ने भी अपना स्वर मिला दिया है। उधर भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को बारह घंटे के बंगाल बंद का आह्वान किया था, जिसमें पार्टी कार्यकताओं और पुलिस के बीच कई जगह झड़पें भी हुईं। ऐसे वातावरण में राष्ट्रपति ने भी अपने संबोधन में कहा कि अब समय आ ग है कि बेटियों पर अत्याचार को सहन न किया जाए। किसी भी हाल में महिलाओं का उत्पीड़न रुकना चाहिए। स्वाभाविक ही इस विरोध प्रदर्शन से ममता बनर्जी सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि इस मामले पर सियासी बयानबाजियां भी तेज हो गई हैं। ममता बनर्जी इन विरोध प्रदर्शनों के पीछे भाजपा का हाथ बता रही हैं और उनका आरोप है कि केंद्र सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। विपक्षी गठबंधन के नेता भी इसमें सियासी रंग घोल रहे हैं । इस तरह कोलकाता बलात्कार और हत्या प्रकरण में अब असल मुद्दे पर कार्रवाई से अधिक राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। हालांकि इस घटना को बीस दिन हो गए और शुरू में ही ममता बनर्जी ने इस पर सख्त रुख अख्तियार कर लिया था। आरोपी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया, लापरवाही बरतने वाले अस्पताल प्रशासन के खिलाफ भी कार्रवाई कर दी गई। मामले की जांच का जिम्मा सीबीआइ को सौंप दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय लगातार इस मामले पर नजर बनाए हुए है। आरोपी के सच से सामना कराने से कुछ तथ्य सामने आने की उम्मीद बनी हुई है। मगर लोगों की नाराजगी कम होने का नाम नहीं ले रही, तो इसकी कुछ वजहें साफ हैं। अभी तक अनेक आपराधिक मामलों में ममता बनर्जी सरकार का रवैया संतोषजनक नहीं देखा गया है। उन सबका मिलाजुला, लंबे समय से जमा रोष इस घटना के बाद फूट पड़ा है। कोलकाता चिकित्सक बलात्कार और हत्या कांड को लेकर पूरे देश में आक्रोश प्रकट हुआ है, तो उसके पीछे भी बड़ी वजह महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बरती जा रही शिथिलता है। राष्ट्रपति के बयान को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि निर्भया कांड के बारह बरस बाद भी ऐसे जघन्य अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहे। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जीएसटी

वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था में संभावित बदलावों पर काम कर रहे राज्यों के मंत्रियों के एक समूह ने संकेत दिया है कि फिलहाल उनकी योजना चार दरों वाले मौजूदा ढांचे को बरकरार रखने की है। हालांकि अभी चर्चाएं चल रही हैं और कोई निर्णय नहीं लिया गया है लेकिन समूह के कुछ सदस्यों का कहना है कि चूंकि जीएसटी व्यवस्था स्थिर हो चुकी है इसलिए शायद इसके साथ छेड़छाड़ करना उचित नहीं होगा। बहरहाल, जीएसटी ढांचे को सहज बनाए जाने की तमाम वजह हैं जिनके चलते समूह को इस पर चर्चा करनी चाहिए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जो जीएसटी परिषद की अध्यक्ष भी हैं, ने जुलाई में अपने बजट भाषण में कहा था कि सरकार जीएसटी कर ढांचे को सरल और युक्तिसंगत बनाने के प्रयास करेगी और इसे बाकी बचे क्षेत्रों तक विस्तार दिया जाएगा। राज्यों के मंत्रिसमूह को इस प्रक्रिया की पहल करनी चाहिए। इस संबंध में सीतारमण ने स्पष्ट किया है कि आगामी नौ सितंबर को होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में इस विषय पर चर्चा की जाएगी। जैसा कि विशेषज्ञों ने सुझाया भी है, जीएसटी की दरों और स्लैब को युक्तिसंगत बनाने की सख्त आवश्यकता है। परिषद इस चरण में तीन दरों वाले ढांचे को अपनाने पर विचार कर सकती है। अनिवार्य वस्तुओं के लिए कर दर कम रखी जाए, अधिकांश वस्तुओं सेवाओं के लिए मध्यम दर रखी जाए और चुनिंदा वस्तुओं या नुकसानदायक वस्तुओं के लिए दरों को ऊंचा रखा जाए। यह सुझाव भी दिया गया है कि 12 और 18 फीसदी की स्लैब को मिलाकर 16 फीसदी का एक नया स्लैब तैयार किया जाए। इससे जटिलता में काफी कमी आएगी और दरों की बहुलता के कारण उत्पन्न विसंगतियों में से कई दूर होंगी। इसके अलावा समायोजन और दरों को सहज बनाने का काम इस प्रकार करना होगा कि समग्र जीएसटी कर संग्रह राजस्व निरपेक्ष दर के करीब पहुंच सके। ध्यान देने वाली बात है कि कर संग्रह का बड़ा हिस्सा 18 फीसदी के स्लैब से आता है। शुरूआती वर्षों में जीएसटी दरों को समय से पहले कम कर दिया गया जिससे इसके प्रदर्शन में कमजोरी आई। हालांकि इस कर के क्रियान्वयन के बाद से संग्रह में प्रभावी इजाफा हुआ है। जैसा कि अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रमण्यन और अन्य लोगों ने इस समाचार पत्र में लिखा है 2023-24 में उपकर समेत विशुद्ध जीएसटी संग्रह सकल घरेलू उत्पाद (जीएसटी) का 6.1 फीसदी था जो 2012-17 के जीएसटी से पहले के दौर के लगभग समान था। यह भी ध्यान देने लायक है कि मौजूदा संग्रह में क्षतिपूर्ति उपकर भी शामिल है जिसे उस कर्ज को चुकाने के लिए जुटाया जा रहा है जो महामारी के दौरान राज्यों के राजस्व में कमी की भरपाई के लिए लिया गया था। जीएसटी परिषद को निकट भविष्य में कर्ज चुकता हो जाने के बाद कभी न कभी इस उपकर के बारे में निर्णय लेना होगा। एक सुझाव यह है कि इसे कर दर में शामिल किया जाए। हालांकि यह उपभोक्ताओं के वास्तविक कर व्यय पर असर नहीं होगा लेकिन किसी भी निर्णय की सावधानीपूर्वक जांच करना होगा। यह महत्त्वपूर्ण है क्योंकि उपकर को सीमित समय के लिए लागू किया गया था और इसका एक खास उद्देश्य था- पहले पांच सालों में राज्यों के राजस्व में कमी की भरपाई के लिए संसाधन जुटाना। संग्रह जारी रहा क्योंकि सरकार को इस पूरी अवधि में राज्यों की भरपाई करनी पड़ी। व्यापक तौर पर दरों को राजस्व निरपेक्ष दर के अनुसार समायोजित किया जाना चाहिए। इससे केंद्र और राज्य के स्तर पर राजस्व संग्रह में इजाफा होगा।

छोटी काशी में 7 से 15 नवंबर तक होगी रामकथा

पद्मविभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य करवाएंगे श्रोताओं को कथा रसास्वादन, 6 नवंबर को निकलेगी शाही लवाजमे के साथ भव्य कलश यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीबालाजी गौशाला संस्थान, सालासर के सान्निध्य में और विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति जयपुर के तत्वावधान में छोटी काशी में पहली बार 7 से 15 नवंबर तक दोपहर 2 बजे से नौ दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। पद्मविभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज श्रोताओं को रामकथा का रसास्वादन करवाएंगे। श्रीबालाजी गौशाला संस्थान, सालासर के अध्यक्ष रविशंकर पुजारी ने बताया कि जयपुर आगमन पर महाराज का भव्य स्वागत किया जएगा। एयरपोर्ट से विद्याधर नगर तक सौ तोरण-द्वार बनाए जाएंगे। मार्ग में हेलीकॉपटर से पुष्पवर्षा की जाएगी।

शाही लवाजमे के साथ निकलेगी कलश यात्रा

विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के सचिव एडवोकेट अनिल संत ने बताया कि कि कथा प्रारंभ होने से पूर्व 6 नवंबर को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। शाही लवाजमे और बैंडबाजे के साथ निकलने वाली इस कलश यात्रा में 51 सौ महिलाएं पांरपरिक परिधान में सिर पर कलश धारण किए चलेंगी। कलश यात्रा क्षेत्र के मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल पहूंचेगी। यात्रा का मार्ग में अनेक स्थानों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया जाएगा।

स्टेज होगा श्रीराम मंदिर का प्रतिरूप

कार्यक्रम संयोजक राजन शर्मा ने बताया कि महाराज की कथा के लिए जो स्टेज बनेगा वह अयोध्या के श्रीराम मंदिर का प्रतिरूप होगा। स्टेज को बंगाल के कारीगर तैयार करेंगे। संपूर्ण भारत के साधु-संतों को कथा में आने का निमंत्रण दिया जा रहा है। प्रतिदिन करीब 50 हजार लोगों के कथा में आने की उम्मीद है।

नि:शुल्क पास से होगा प्रवेश

कथा श्रवण को आनेवाले श्रद्धालुओं का कथास्थल में प्रवेश पास के आधार पर निशुल्क होगा। इसके लिए विद्याधर नगर स्टेडियम में चार गेट बनाए जाएंगे।

जगद्गुरु ने की चार महाकाव्यों की रचना

गुरु रामभद्राचार्य चित्रकूट में रहते हैं। उनका वास्तविक नाम गिरधर मिश्रा है। वे एक विद्वान, शिक्षाविद्, बहुभाषाविद्, रचनाकार, प्रवचनकार, दार्शनिक और हिंदू धर्मगुरु हैं। वे रामानन्द संप्रदाय के मौजूदा चार जगद्गुरुओं में से एक हैं और इस पद पर 1988 से आसीन हैं। महाराज चित्रकूट में जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय के संस्थापक और आजीवन कुलाधिपति भी हैं। चित्रकूट में तुलसी पीठ की स्थापना का श्रेय भी इन्हें ही जाता है। इन्होंने दो संस्कृत और दो हिंदी में मिलाकर कुल चार महाकाव्यों की रचना की है। इन्हें भारत में तुलसीदास पर सबसे बेहतरीन विशेषज्ञों में गिना जाता है। साल 2015 में भारत सरकार ने इन्हें पद्मविभूषण से सम्मानित किया था।

इनके वक्तव्य से बदला राम जन्मभूमी का फैसला

पद्मविभूषण रामभद्राचार्य महाराज ने सुप्रीम कोर्ट में रामलला के पक्ष में वेद-पुराण के उद्धरण देकर गवाही दी थी। जब श्रीराम जन्मभूमी के पक्ष में वे वादी के रूप में शीर्ष कोर्ट में उपस्थित थे। उन्होंने ऋगवेद की जैमिनीय संहिता से उद्धरण देना प्रारंभ किया जिसमें सरयू नदी के स्थान विशेष से दिशा और दूरी का सटीक ब्यौरा देते हुए श्रीराम जन्मभूमी की दूरी बताई गई है। कोर्ट के आदेश से जैमिनीय संहिता मंगाई गई और उसमें जगद्गुरु द्वारा बताए गई पृष्ठ संख्या को खोल कर देखा गया तो समस्त विवरण सही पाए गए। इस प्रकार जगद्गुरु के वक्तव्य ने फैसले का रुख मोड़ दिया। जज ने भी कहा कि आज मैंने सनातनी प्रज्ञा का चमत्कार देखा है। एक व्यक्ति जो भौतिक रूप से आंखों से रहित है वो भारतीय वांग्मय और वेद-पुराणों के उद्धरण दे रहा है जो बिना ईश्वरीय कृपा के संभव नहीं है। सिर्फ दो माह की उम्र में इनकी आंखों की रोशनी चली गई थी। लेकिन आज इन्हें 22 भाषाएं आती हैं और ये 80 ग्रंथों की रचना कर चुके हैं। न तो ये पढ़ सकते हैं और न लिख सकते हैं और न ही ब्रेल लिपि का प्रयोग करते हैं। केवल सुन कर सीखते हैं और बोल कर अपनी रचनाएं लिखवाते हैं।

कन्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) राजस्थान की मीटिंग संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। होटल लिवइन शास्त्री नगर में कैट के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष गोयल के नेतृत्व में कोर टीम कैट की मीटिंग हुई, उसमें राष्ट्रीय कार्यकारिणी से श्रीमती सीमा सेठी, गोकुल माहेश्वरी एवं सुरेश पटोदिया व राजस्थान कैट के चेयरमैन सुरेश पटोदिया प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र बज की उपस्थिति में कैट प्रदेश राजस्थान की नयी कार्यकारिणी घोषित की गई, घोषणा श्रीमती सीमा सेठी ने की, श्रीमती रिचा चंद्रा , नेशनल कॉर्डिनेटर नार्थ वुमन विंग, श्रीमती रुचि प्रभाकर, सदस्य, नेशनल गवर्निंग कौंसिल(वुमन), श्रीमती चारू अग्रवाल, वुमन विंग,प्रदेश कॉर्डिनेटर राजस्थान चैप्टर,प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान सुभाष गोयल, प्रदेश महामंत्री हेमंत प्रभाकर व नेशनल गवर्निंग कौंसिल के सदस्य एवं महामंत्री राजस्थान सुरेंद्र बज ,जयपुर संभाग के अध्यक्ष नवीन पोद्दार , संभाग के मंत्री रासबिहारी रुंगटा, जयपुर महानगर के अध्यक्ष डी पी खंडेलवाल , मंत्री सुशील अग्रवाल , आई टी हेड निशिता सुरोलिया, कार्यकारी अध्यक्ष राजस्थान चैप्टर मनोज गोयल को मनोनीत किया गया ।सुभाष गोयल राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर बधाई दी। मिटिंग को जूम के माध्यम से केट के राष्ट्रीय चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल एवं केट के राजस्थान प्रभारी भूपेन्द्र जैन ने संबोधित किया।

जीवन मे गम खाना सीखें इसी से सफलता प्राप्त होंगीः आचार्य सुन्दर सागर महाराज

शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में वर्षायोग प्रवचन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर की पावन देशना जन जन का कल्याण करती है। महावीर ने जन कल्याण के लिए कई सिद्धांत दिये उनमे से एक सिद्धांत जियो और जीने दो, उन्हे जीवन मे आचरण मे उतारे तो सभी का कल्याण हो सकता है। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक(वषायोग) वषायोग प्रवचन के तहत गुरुवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मानव गम खाना सीख ले तो उसका सारा जीवन सुन्दर व्यतीत होता है गम खाना सिख ले तो अहंकार क्रोध मान ,माया ,कषायों एवम विकारों का जन्म नही होगा जीवन मे सुखी रहना है तो भाव विहीन बने। गम खाने का अर्थ है भावों मे सरलता लाना। गम खाने से मन मे अच्छे विचार आते है तथा प्रति कुल समय मे समता भाव रख कर परम पद को प्राप्त कर सकते है।

आसक्ति ओर परिग्रह हमारे जीवन की दशा को मलिन करतें हैः युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। आसक्ति ओर परिग्रह हमारे जीवन की दशा को मलिन करतें है। गुरुवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार विशाल धर्मसभा मे श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने श्रध्दांलुओ को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि 18 पाप स्थानकों के सेवन से जीव भारीपन को प्राप्त करता है, वह भारीकर्मी बनता है। प्राणातिपात आदि पापस्थानकों को आगम और कर्मस्थान में पोद्गलिक कहा गया है। जीव उनसे भारी बनता है और भारी बना हुआ जीव गुरुत्वाकर्षण शक्ति की तरह नीच अवस्था या नरक गति को प्राप्त होता है। इन 18 पाप स्थानकों के द्वारा उसके ग्रहों की स्थिति नीच बन जाती है। झूठ , चोरी आदि सारे अब्रह्म सेवन का पाप कर आज हम अपने हाथों से इस स्थिति का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा पूर्व पुण्यों से हमें यह मानव भव मिला है। जब जीव भारीकर्मी बन जाता है, वह इससे नीच स्थान में जा सकता है। भगवान कहते हैं जीवन में दुःख ममत्व, आसक्ति का है। परिग्रह हमारी दशा को नीच करने वाला है, भाव अवस्था को मलिन करने वाला है। ममत्व के बाद आर्तध्यान, रौद्रध्यान किस सीमा तक ले जाता है। जब गौतमस्वामी ने प्रभु महावीर से पूछा कि जीव लघुकर्मी कैसे बन सकता है। उन्होंने जीव के भारीपन का समाधान पूछा। युवाचार्यश्री ने कहा गौतमस्वामी स्वयं यह जानते थे, फिर भी प्रभु से उन्होंने पूछा। वे भगवान से वेरिफिकेशन इसलिए लेना चाहते थे क्योंकि वह पूर्णतः सत्य है। आप भी कई चीजें जानते हो, लेकिन बड़ों से वेरिफिकेशन करते हो, क्योंकि यह अल्टिमेट सत्यता का आभास कराता है। भगवान कहते हैं इन पापस्थानकों से निर्मल बनने से जीव हल्का, लघुकर्मी बन जाता है। अपने हाथों से जो पापस्थानकों का सेवन करते हो, वह आपको भारी कर्मी बनाता है। यदि उन पापस्थानकों का विरमण यानी त्याग करते हो तो लघुकर्मी बन जाओगे। पापस्थानकों का सेवन जारी रखोगे तो भारीकर्मी बनते जाओगे। उन्होंने कहा संकल्प पूर्वक कोई चीज करेंगे, उसके फलस्वरूप परिणाम मिलेगा। हम अनादिकाल से कर्मों में धीरे होना, तेज होना, जो किए जा रहे हैं, उससे हमारी आत्मा कर्मों से भारी बनती जा रही है। अब रुको। क्रोध, मान, माया, लोभ के संस्कारों को विराम दो। आप सोचते हैं यही भव में आप यह कर रहे हो लेकिन अन्य भवों में भी भाव हिंसा तो करते ही हैं। आज जो रुकने का काम आप करते हो, उससे दोनों जगह, इस भव और अगले भवों में फायदा है। कोई चीज भावपूर्वक करना है। ये भाव आगे भी हमारे साथ रहते हैं। जीवन को हल्का बनाने के लिए पर्युषण पर्व में आराधना कर जीवन को स्वस्थ, हल्का बनाएं। इस मौके पर वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के महामंत्री धमीचंद सिंघवी ने पर्युषण पर्व के दौरान चलने वाले नवकार मंत्र के अनवरत जाप में सम्मिलित होने का आव्हान किया। इस दौरान सुश्राविका संगीता सुगनचंद कावड़िया ने 41 चौविहार उपवास के तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किया। उन्होंने अन्य धारणा प्रमाण संकल्प भी लिए। आरक्कोणम के सुश्रावक उत्तमचंद सुराणा ने मासक्षमण के प्रत्याख्यान ग्रहण किया। वरिष्ठ श्राविका सुशीलाबाई ने सिद्धितप की ओर अग्रसर है। मध्याह्न मटकी प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन मे अनेक जनों भाग लिया।

मन की शांति कैसे प्राप्त करें : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुन्सी. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी, (राज.) की पवित्र धरा पर चातुर्मासरत है। अनेकानेक धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से यात्रियों के लिए क्षेत्र पर धर्म का लाभ प्राप्त हो रहा है। भोजनालय एवं आवासीय सुविधाओं के चलते यात्रियों के लिए विश्राम कक्ष, निसर्ग सौन्दर्य पूर्ण प्रसन्न वातावरण, अतिशयकारी शांतिनाथ भगवान के अनंत पुण्यवर्धक दर्शन, साथ ही साधना रत आर्यिका संघ के दर्शन, आहार चर्या कराने का अविस्मरणीय पल का साक्षात अनुभव प्राप्त कराने का सौभाग्य सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ कमेटी ने दिया। हजारों की संख्या में यात्रीगण इस धर्म गंगा में डूबकी लगाने का लाभ प्राप्त करते है। आज के चातुर्मास संयोजक नरेश बनेठा, लालचंद गंगवाल लालकोठी जयपुर वालों ने प्राप्त किया । बारां से पधारे हुये यात्रियों ने पूज्य गुरु माँ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - आप जीवन में यदि सुख - शांति चाहते हैं तो अपनी समस्याओं और आलोचनाओं को खुद पर हावी न होने दें और बुराइयों से बचें । मन की शांति को कभी खरीदा नहीं जा सकता । मन की शांति अनमोल है । अगर मन की शान्ति पाना चाहते है तो सबसे पहले जो मिला है उसमें खुश रहना सीखें । शांत मन से लिये गए निर्णय की वजह से जीवन में सुख आता है । जल्दबाजी में लिए गये निर्णय हमारी परेशानी बढ़ा सकते हैं ।

जनकपुरी में सोलह कारण भावनाओं में हुई अर्हत्भक्ति की अर्चना

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी - ज्योतिनगर जैन मंदिर में सहस्त्रकूट जिनालय परिषर में बीस अगस्त से सोलह कारण भावना के मण्डल पर विधान पूजन किया जा रहा है। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला अनुसार अभी तक सोलह भावनाओं में से दर्शन विशुद्धि ,विनय सम्पन्नता, शील और व्रतों का निरतिचार पालन, अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोग, अभीक्ष्णसंवेग, शक्तितस्त्याग, शक्तितस्तप ,साधुसमाधि तथा वैयावृत्यकरण भावना की विधि पूर्वक पूजन हो चुकी है तथा गुरुवार को अर्हत्भक्ति भावना की पूजन मण्डल पर अर्घ्य समर्पित करते हुए की गई। इसमें अर्हत परमेष्ठी को चैत्यभक्ति एवं पञ्चमहागुरु पूर्वक नमस्कार करते हैं। अब आगे आचार्य भक्ति, बहुश्रुतभक्ति, प्रवचन भक्ति ,आवश्यकापरिहाणि ,मार्ग प्रभावना , व प्रवचनवत्सलत्व की पूजा की जायेगी। जनकपुरी में शकुन्तला बिंदायक्या पूरे सोलह दिन के व्रत के साथ मण्डल पर विधान पूजन के साथ आत्म शुद्धि की भावना भा रही है । मंदिर प्रबंध समिति व समाज ने उनके व्रत सानंद संपन्न होने की भावना भायी है ।

भजनों की धुन पर झूमकर नाचे श्रोता...

श्री सांवलिया सेठ के दरबार में हुई विशाल भजन संध्या, श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित हुई विशाल भजन संध्या

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

सांवलियाजी। मेवाड़ के सुप्रसिद्ध कृष्णधाम सांवलियाजी में भगवान श्री सांवलिया सेठ के दरबार में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के पावन पर्व पर आयोजित हुई विशाल भजन संध्या में भजनों की धुन पर मंत्रमुग्ध होते हुए झूम झूम कर नाचे श्रोता। श्री सांवलियाजी मंदिर मंडल के द्वारा स्थानीय मीरा रंगमंच डोम परिसर में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में पूरा का पूरा पांडाल श्रोताओं से खचाखच भर गया। सर्वप्रथम चित्तौड़गढ़ जिला कलेक्टर आलोक रंजन, अतिरिक्त जिला कलेक्टर व मंदिर मंडल सीईओ राकेश कुमार, भदेसर उपखण्ड अधिकारी विजयेश कुमार पाण्डया, मंदिर मंडल बोर्ड के सदस्य संजय कुमार मण्डोवरा, भेरुलाल जाट, अशोक कुमार शर्मा, शम्भू सुथार सहित अधिकारियों ने भगवान श्री सांवलिया सेठ की छवि के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर इस विशाल भजन संध्या का भव्य आगाज किया। भजन संध्या में चित्तौड़गढ़ जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने भी पहुंचकर लाभ लिया। प्रसिद्ध भजन गायक कलाकार लेहरुदास सुर लहरी ने मंगल भवन अमंगल हारी चौपाई से भजन संध्या का शुभारंभ किया। गायक कलाकार सुर लहरी ने तथा प्रसिद्ध भजन गायिका आकृति मिश्रा ने भगवान श्री सांवलिया सेठ के विभिन्न भजन प्रस्तुत किए। दोनों प्रसिद्ध भजन गायक कलाकारों ने जैसे ही भजन प्रस्तुत किए वैसे ही पांडाल में मौजूद श्रोताओं ने जयकारों के साथ नाचना शुरू कर दिया। यह विशाल भजन संध्या भोर तक चली।

हेप्पी बर्थ-डे टू यू सांवलिया से गुंजा श्री सांवलिया सेठ मंदिर, लाखों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मनाया ठाकुरजी का जन्मोत्सव, रात्रि 12 बजे ठाकुरजी की महाआरती की।

नो क्विंटल पंजेरी के प्रसाद का लगाया भोग

सांवलियाजी- मेवाड़ के सुप्रसिद्ध कृष्णधाम सांवलियाजी में भगवान श्री सांवलिया सेठ का मंदिर सोमवार रात्रि 12 बजे बाद हेप्पी बर्थ-डे टू यू सांवलिया सेठ के जयकारों से गूंज उठा। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर सोमवार रात्रि 12 बजे ठाकुरजी के ओसरा पूजारियों ने ठाकुरजी को गंगाजल से स्नान करवाकर आकर्षक व भव्य श्रृंगार धारण करवाया। रात्रि 12 बजे से ठाकुरजी की महाआरती शुरू हुई। महाआरती शुरू होने के साथ ही मंदिर परिसर में मौजूद लाखों श्रद्धालुओं को कतारबद्ध होते हुए ठाकुरजी के दर्शन करवाए गए। ठाकुरजी की महाआरती के दौरान श्री सांवलियाजी मंदिर मंडल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी व चित्तौड़गढ़ अतिरिक्त जिला कलेक्टर राकेश कुमार, भदेसर उपखण्ड अधिकारी विजयेश कुमार पाण्डया, मंदिर मंडल के प्रशासनिक अधिकारी प्रथम व नायब तहसीलदार घनश्याम जरवाल, भदेसर डिप्टी अनिल शर्मा, सांवलियाजी थानाधिकारी शीतल गुर्जर, प्रशासनिक अधिकारी द्वितीय नन्दकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व श्रद्धालु मौजूद रहे। जैसे ही श्रद्धालुओं को ठाकुरजी के दर्शन प्रारंभ हुए वैसे ही हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की, नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की सहित विभिन्न जयकारों से मंदिर गुंजायमान हो उठा।

मावे से बने केक का लगाया भोग: भगवान श्री सांवलिया सेठ की महाआरती के बाद श्री सांवलियाजी मंदिर मंडल के द्वारा मावे से बनवाए गए केक का भोग लगाया गया तथा ठाकुरजी के बाल स्वरूप के हाथों केक कटवाया गया।

नो क्विंटल पंजेरी के प्रसाद का किया वितरण: श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व के तहत ठाकुरजी की महाआरती के बाद ठाकुरजी को नो क्विंटल पंजेरी के प्रसाद का भोग लगाकर प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया।

निम्बार्क आश्रम में मनाया नंदोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। बाबा शुकदेवदास निम्बार्क संत आश्रम नायला में नंदोत्सव मनाया गया। श्री राधा ब्रज चंद बिहारी संकीर्तन मंडल की ओर से कीर्तन हुआ। दे खोरी ये कैसा बालक रानी .. यशुमती माई बधाई.....,नंदलाला प्रगट भये आज.... बधाइयों के बीच महंत सर्वेश्वर शरण महाराज ने उछाल लुटायी, आश्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय तथा प्रदेश के विभिन्न अंचलों सेआये श्रद्धालु उत्सव का आनंद लेने पहुंचे।

मेरी पूजनीय माताजी श्री मती गैंदी देवी धर्मपत्नि स्व. श्री चिरन्जीलाल जी जैन अजमेरा (1913-2024) 111 वर्ष पूर्ण कर स्वर्गवास हो गया है। तीये की बैठक 31/8/2024 को प्रात: 10:00 बजे ग्राम डाबीच तहसील माधोराजपुरा जयपुर ग्रामीण में होगी।

>बेटी - चंदा देवी धर्मपत्नी प्रेमचंद जैन समस्त बाकलीवाल परिवार पीपला वाले।

न.-9511549026 ; 8290773960

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद

मन और मानव तब तक अच्छे हैं..
जब तक आपके अनुकूल है...!

मन, मानव और विचारों को शान्त करने के लिए साधना का मार्ग है। साधना का अर्थ है - मन, मानव और विचारों को बस में करना। जिसने मन और विचारों को साध लिया, उसने साधना के शिखर को छू लिया। मन्त्र, जाप, पूजा, पाठ, व्रत, नियम, संयम प्त मन और विचारों को साधने के पथ हैं। अपनी कमियों और बुराईयों को दूर करने का नाम ही साधना है। जिसका मन पवित्र है, सरल है और ऊँचा है, उसका भाग्य भी अच्छा और ऊँचा है। जिसका मन और विचार खोटा है, ओछा है, बुराईयों से भरा है,, उसका भाग्य और भविष्य भी नीचा और अन्धकार मय है। संसार में सबसे ज्यादा पावरफुल मन ही है। मन ही सबसे बड़ा एटम बम है, विध्वंसक है, विस्फोटक है, बम स्वयं विस्फोट नहीं करता। जब मन का बटन दबता है, तब ही उस बम का बटन दबाया जाता है। जीवन में सब खेल मन और विचारों का है। इसलिए दोनों पर कन्ट्रोल करो, तभी ज़िन्दगी जीने का आनंद आयेगा।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

JSG Jain Social Groups International Federation Grow more to Serve more

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

श्री सौरभ-श्रीमती दीपिका जैन

सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

30 अगस्त' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष : सुनील सोगानी, आई पी पी : राहुल जैन
संस्थापक अध्यक्ष : मनीष झांझरी
पूर्व अध्यक्ष : अभय गंगवाल, पूर्व अध्यक्ष : संजय जैन
उपाध्यक्ष : अजय बड़जात्या, सचिव : विशुतोष चाँदवाड
सह सचिव : महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष : सुकेश काला

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ, जयपुर

जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय अजमेर में तम्बाकू निषेध अभियान के तहत जब्त सामग्री का किया निस्तारण

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। जवाहर-लाल नेहरू चिकित्सालय ''तम्बाकू निषेध अभियान'' के तहत जब्त की गई सामग्री का निस्तारण स्वयं अधीक्षक डॉक्टर अरविंद खरें ने अपनी उपस्थिति में करवाया गया। उनके साथ उपाधीक्षक डॉक्टर अमित यादव, नर्सिंगकर्मी घनश्याम जोशी, गार्ड इंचार्ज सज्जन सिंह अन्य होमगार्ड उपस्थित थे। इसके लिए अध्यक्ष ने निर्देश दिया जब्त की हुई तम्बाकू सामग्री को दो दिन में कमेटी की उपस्थिति में सभी लोगों के समक्ष निस्तारण करवाया जाए ताकि लोगों में यह मैसेज जाए कि तंबाकू उत्पाद के साथ प्रवेश करने पर जब्त उत्पादों का निस्तारण जनहित को देखते हुए जलाकर किया जाता है एवं तंबाकू उत्पादों का उपयोग चिकित्सालय में न करें और धूम्रपान की लत छोड़ने की कोशिश करे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दुःखों से नित्य डरते रहना 'संवेग' कहलाता है : मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने गुरुवार दिनांक 29.08.2024 को षोडश कारण पर्व के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि संसार में जितने भी दुःख हैं वे सब या तो शारीरिक हो सकते हैं अथवा मानसिक । इन दुःखों से नित्य डरते रहना 'संवेग' कहलाता है। संवेग परम्परा मुक्ति का साधक है । शारीरिक दुःख वे है जो शरीर में हों जैसे ज्वर, अतिसार, वात-पित्तादि रोग। मानसिक दुःख वे हैं जो मन में हों, जैसे - प्रिय वस्तु न मिलने से, अप्रिय वस्तु के मिल जाने से उत्पन्न होने वाला दुःख। उक्त दुःखों से संसार व्याप्त है। इन दुःखों से छुटकारे की इच्छा करने वाले प्राणी का कर्तव्य है कि वह इनसे सदा डरता रहे। जब वह इनसे भयभीत होने लग जाएगा तो इन दुःखों को उत्पन्न करने वाले विचार तथा पदार्थों से दूर रहेगा और धर्म में, आत्मोत्थान में लग जाएगा। यही मार्ग कल्याणकारी है और मुक्तिदायक है।अतः अपना कल्याण चाहने वालों को संवेग भावना अंगीकार करना चाहिऐ ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि प्रवचन से पूर्व दीप प्रज्वलन अशोक कुमार काला एवं सहयोगियों ने, मंगलाचरण सुशीला काला ने एवं शास्त्र भेंट सुनीता छाबड़ा एवं कोमल छाबड़ा ने किया। संयोजक कमल छाबड़ा डॉ वन्दना जैन ने बताया कि षोडश कारण महापर्व के अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे मुनिश्री के प्रवचन सांयकाल 7 बजे आरती आनंद यात्रा तथा रात्रि 8:00 बजे से पंडित अजित जैन 'आचार्य' के द्वारा तत्व चर्चा की जा रही है।

ब्यावर के अशोक मनोरमा काला ने की मुनिश्री 108 आदित्य सागर जी के पाद प्रक्षालन

कोटा. शाबाश इंडिया। संत शिरोमकोटा मणि पट्टाचार्य भगवन 108 श्री विशुद्ध सागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य श्रुत सवेंगी मुनिश्री 108 आदित्य सागर जी महाराज संसध (कोटा में विराजमान) को शास्त्र भेंट पादपक्षालण व दीप प्रज्वलन करने का सौभाग्य ब्यावर के अशोक मनोरमा उज्जवल प्रियंका पुष्प मोहि अनन्त जी रियांश जी काला परिवार को प्राप्त हुआ।

वर्द्धमान इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एवं मेकअप आर्टिस्ट विभाग के दीक्षांत समारोह में डिप्लोमा पाकर खुशी से झुमी छात्राएं

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित वर्द्धमान इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एवं मेकअप आर्टिस्ट विभाग में 2022-2023 बैच की छात्राओं का दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय प्राचार्य डा. आर.सी. लोढा, वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डा. नरेन्द्र पारख, सहमंत्री सुनील ओस्तवाल द्वारा 60 छात्राओं को डिप्लोमा डिग्री प्रदान की गयी। महाविद्यालय प्राचार्य डा. आर.सी. लोढा ने छात्राओं को अपने उद्बोधन में बताया कि हमारा ध्येय छात्राओं को महानगरीय आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। आज हमें यह बताते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है की इस बैच का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा और इसी बैच की कई छात्राएं महानगरों में अपनी प्रतिभा के दम पर एक अलग पहचान बनाई है। इस अवसर पर शिक्षण समिति मंत्री डा. नरेन्द्र पारख ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह शिक्षा का अंत नही शुरूआत है और दुनिया आपके योगदान का इंतजार कर रही है। आज का यह क्षण कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ता का प्रतीक है। कार्यक्रम में फैशन डिजाइनिंग विभाग की पूर्व छात्रा अदिशी जैन ने मनमोहक प्रस्तुति दी साथ ही पूर्व छात्राओं क्रमशः मानवी गोयल और आर्ची जैन ने कॉलेज से जुड़े अपने अनुभव सभी के समक्ष साझा किए। कार्यक्रम के अंत में विभाग प्रभारी छवि गरवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर व्याख्याता रितु प्रजापति, प्रियंका मंगरोला, शबाना शेख,नीलम खत्री, अंजलि जांगिड सहित समस्त संकाय सदस्य व छात्राएं उपस्थित रही।

मुनिश्री समत्व सागर जी महाराज का 10वां दीक्षा समारोह मनाया

गुरुवर ने दीक्षा देकर बताया धर्म का मार्गः मुनिश्री समत्व सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री 108 विषुद्ध सागर के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज का 10वां दीक्षा समारोह गुरुवार को टोंक रोड स्थित कीर्ति नगर जैन मंदिर में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर काफी संख्या में देषभर से श्रद्धालु जुटे। इस दारान मंदिर प्रांगण भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। दीक्षा समारोह का शुभारंभ मुनिश्री समत्व सागर के ग्रहस्थ अवस्था के माता पिता डॉ.अभय कुमार-अनीता जैन,मुख्य कलष स्थापना कर्ता समाजश्रेष्ठी राजीव-सीमा जैन गाजियाबाद सहित देषभर से आए अन्य गुरुभक्तों ने चित्र अनावरण व दीप प्रज्जवलन किया। इसके बाद मुनिश्री का पद प्रच्छालन करने का सौभाग्य गुरु भक्त परिवार जयपुर को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य समाजश्रेष्ठी अषोक जैन नेता परिवार को प्राप्त हुआ। सभी अतिथियों का मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण जैन व महामंत्री जगदीश चन्द

जैन, प्रचार प्रसार मंत्री आषीष बैद सहित अन्य पदाधिकारियों ने तिलक व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद महिला मंडल मुनिश्री के जीवन पर प्रस्तुति दी गई,जो सभी को पसंद आई। इस मौके पर पूजा व भजनों की संगीतमय प्रस्तुति अंषुल जैन 'अंष' गढ़ाकोटा ने दी। इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि शक्ति के ज्ञान के अभाव के बिना कभी अपनी शक्ति का प्रकट नहीं किया जा सकता है। जब तक इस जीव को अपनी निज की शक्ति का ज्ञान नहीं होगा,जब तक वह अपनी परम शक्ति को प्राप्त नहीं कर पाएगा। इसलिए हम सभी का अपने आंतरिक परम शक्ति को पहचानने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि जब हम अपनी अंदर छिपी शक्ति को पहचान लेंगे तभी हमें परम आनंद की अनूभूति होगी और हम उच्च दषा को प्राप्त कर पाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में हम सभी को गुरु के उपकार नहीं भूलने चाहिए जो हमें अपनी वाणी से हमे अंदर छिपी शक्ति की अहसास कराते है। मेरे जीवन में परम पूज्य आचार्य श्री 108 विषुद्ध सागर का महा उपकार है जिन्होंने मुझे दीक्षा देकर धर्म के मार्ग में लगाया। आज दीक्षा पर मेरी मुनि पर्याय का जन्म हुआ,यही मेरा वास्तविक मेरा जन्म है,इस मुनि पर्याय के माध्यम से ही हम सयम व मोक्ष का मार्ग प्रषस्त कर सकते है। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में अपने भावों को शुद्ध रखना चाहिए। जब हमारे परिणाम शुद्ध होंगे तभी हम अपनी परम शक्ति को पहचान पाएंगे।

समाज रत्न शिरोमणि से सम्मानित हुए आरके अग्रवाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रतिष्ठित समाजसेवी आर के अग्रवाल को लाइफटाइम अचीवमेंट समाज रत्न शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स सभागार में राजस्थान जन मंच अध्यक्ष भगवान गट्टानी, महासचिव कमल लोचन, विशिष्ट अतिथि डॉ. रेखा जैन, अभय नाहर और श्याम विजय आदि अतिथियों ने सम्मान पत्र और शील्ड प्रदान कर तथा साफा पहनाकर उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए इस प्रतिष्ठित समाज रत्न शिरोमणि सम्मान प्रदान किया गया । आरके अग्रवाल परमार्थ एवं आध्यात्मिक समिति के संस्थापक हैं इनके माध्यम से प्रतिदिन हजारों लोगों को निशुल्क भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है,,साथ ही साथ गौ सेवा, गरीब बच्चों की पढ़ाई, गरीब कन्याओं के विवाह, भक्ति संगीत, और निः शुल्क चिकित्सालय के लिए आप नियमित सेवाएं दे रहे हैं। कमल लोचन ने बताया कि जीवन पर्यंत विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रतिवर्ष एक महानुभाव को समाज रत्न शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया जाता है। वर्ष 2024 का यह सम्मान आरके अग्रवाल को प्रदान किया गया।

मिसेस राजस्थान 2024 - ग्रांड फिनाले कार्यक्रम मे सहभागिता निभाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब नार्थ जयपुर द्वारा बिरला ऑडिटोरियम मे किये गए मिसेस राजस्थान 2024 ग्रांड फिनाले मे अपनी सहभागिता निभाई। अध्यक्ष अनिल जैन ने बताया की फिनाले का कार्यक्रम आकर्षक भरे राउंड द्वारा किया गया जिसमे कुल 17 प्रतियोगियों ने भाग लिया। इसमें डिजाइनर माधुरी चेतवानी की ड्रेसेस के कलेक्शन को पहनकर फाइनल राउंड किया गया। मिसेस राजस्थान 2024 कार्यक्रम का आयोजन रोटरी परिवार के पदाधिकारी रोटेरियन योगेश निमिषा मिश्रा फ्यूशन ग्रुप द्वारा हर साल किया जाता है। इसमें प्रथम स्थान पर मिसेस सलोनी 2024 रही, साक्षी नंदावत प्रथम रनर अप रही। सह सचिव तरुण जैन ने बताया की रोटरी क्लब नार्थ जयपुर के लगभग 150 रोटेरियास ने मिसेस राजस्थान 2024 के कार्यक्रम को देखने का आनंद लिया। रोटरी क्लब नार्थ द्वारा सभी जीते गए प्रत्यासियों को गिफ्ट्स देकर सम्मानित किया गया। अंत मे आये हुए सभी रोटेरियांस का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।